

कुछ हद तक कम की जा सके और जो बाद में वृहद योजना की पूरक सिद्ध हो। सरकार को इस बात का सर्वेक्षण कराना चाहिये कि क्या रापती और गोंडा जिले में कोई बंद बांध कर उसके पानी को बस्ती जिले की वाणगंगा नहर और गोरखपुर जिले की गंडक नहर से मिला कर उसके फाजिल पानी का उपयोग मिर्चाई के लिए नहीं किया जा सकता और क्या रापती से निकली हुई इस नहर की शारदा सहायक की तरह इन छोटी नहरों के अलावा गंडक सहायक योजना में परिवर्तित नहीं किया जा सकता ?

इसी बीच रापती रोहिणी और उसकी सहायक नदी नालों के तटबंधों की मुरम्मत के काम में तेजी लाने की आवश्यकता है। पिछले दो साल की बाढ़ की तबाही से वस्तु रिगोली, पंचमी, मूसाभार धारना, करखी इत्यादि अस्सी गांवों के निवासियों के लिए मिर छिपाने की व्यवस्था अभी तक नहीं हो सकी है।

(ix) **Need to improve the efficiency of Railways in Bhavnagar Rajkot Division.**

SHRI MOHAN LAL PATEL (Junagadh) : Mr Deputy-Speaker, Sir, Bhavnagar and Rajkot Division occupies a pride of place in the map of Indian Railways. But, unfortunately, the passenger traffic and the efficiency of railways in this division is decreasing gradually. On the other hand, in other Divisions like Eastern Railway, Southern Railway, the passenger traffic is increasing steadily. The decrease in the above said Division of Western Railway is mainly due to very slow speed of the trains. In fact, some of the trains in this Division have been cancelled due to less traffic. If this position continues, many more trains may be cancelled in the near future. This is a great threat for the living in the areas of Rajkot and Bhavnagar which are very important commercial centres. Therefore, I would like

to offer two valuable suggestions for the kind consideration of the hon. Railway Minister.

First of all, the speed of the trains that are run in these Divisions must be increased with immediate effect.

Secondly, superfast trains should be introduced between Delwara and Ahmedabad via Veraval, Junagarh, Jelalsar, etc. These trains should reach Ahmedabad at the latest by 4 p.m. This will enable the Delhi passengers to catch the superfast train which starts from Ahmedabad at 5.10 p.m. The travellers for Bombay conveniently catch the train which starts at Ahmedabad at 6.00 p.m.

I hope that the hon. Minister would accept both of my suggestions and take immediate steps in this regard.

(x) **Compound interest charged by banks on loans given to small farmers**

श्री चन्द्रपाल सिंह (अमरोहा) : उपाध्यक्ष महोदय, ग्रामीणों को विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों एवं सहकारी समितियों द्वारा जो ऋण दिया जा रहा है, उस पर बैंक द्वारा हर 6 महीने या साल के अन्त में ब्याज जोड़कर मूलधन में शामिल कर लिया जाता है, फिर उस पर ब्याज पुनः मूलधन की भांति जोड़ते जाते हैं और यह क्रम अन्त तक जारी रहता है। इस कारण गरीब ग्रामीण एवं छोटे-छोटे किसान अपनी गृहस्थी के लिये दिये गये बैंक ऋण की दुगुनी-तिगुनी धनराशि जमा करने के लिये मजबूर किये जाते रहे हैं।

साथ ही यह और भी विचित्र बात है कि अगर वह धन बैंक किसी तहसील से वसूली हेतु भेजता है तो पूरे बकाया धन पर 10 प्रतिशत का वसूली चार्ज लगा दिया जाता है। बेचारा नासमझ किसान इस प्रकार चक्रवृद्धि ब्याज से पिमता जा रहा है।

अतः माननीय वित्त मंत्री जी से निवेदन